शीर्षक:

भारतीय ग्राहकों को लक्ष्य करते हुए दुर्भावनापूर्ण त्यौहार-थीम वाले अभियान।

प्रिय मूल्यवान ग्राहक,

ऐसा रिपोर्ट किया गया है कि साइबर जालसाज/एडवेयर प्रमुख ब्रांड्स को निशाना बना रहे हैं और उनके ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले फ़िशिंग स्कैम में फंसा रहे हैं। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म (व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम आदि) पर फ़र्जी संदेश प्रसारित हो रहे हैं, जो झूठे तरीके से त्यौहारी ऑफ़र का दावा करते हैं और उपयोगकर्ताओं को उपहार, छूट और पुरस्कार के लिए यूआरएल पर क्लिक करने के लिए लुभाते हैं। धमकी देने वाले लोग पीड़ितों से व्हाट्सएप/टेलीग्राम/इंस्टाग्राम पर अपने साथियों के समूहों में लिंक साझा करने के लिए भी कहते हैं।

अनुशंसित सर्वोत्तम कवायत:

1. अविश्वसनीय वेबसाइट ब्राउज़ न करें या अविश्वसनीय लिंक पर क्लिक न करें। वेबसाइट के डोमेन को स्पष्ट रूप से इंगित करने वाले यूआरएल पर ही क्लिक करें।
2. संदेह होने पर, उपयोगकर्ता सर्च इंजन का उपयोग करके संगठन की वेबसाइट को सीधे खोज सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके द्वारा देखी गई वेबसाइटें वैध हैं।
3. वैध संगठन कभी भी ईमेल, एसएमएस या फोन कॉल पर नेट-बैंकिंग लॉगिन क्रेडेंशियल, ट्रांजेक्शन ओटीपी या क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी नहीं मांगेंगे। अगर आपको ऐसा कोई अनुरोध मिलता है, तो निश्चित रूप से आप किसी धोखेबाज़ के साथ डील कर रहे हैं।
4. कभी भी अपने कार्ड का विवरण, सीवीवी नंबर, कार्ड पिन, नेट बैंकिंग क्रेडेंशियल और लेनदेन ओटीपी किसी के साथ साझा न करें।
5. ऐसे संदिग्ध नंबरों से आने वाले कॉल्स पर सावधान रहें जो सामान्य मोबाइल फ़ोन नंबरों की तरह नहीं दिखते। बैंकों से प्राप्त वास्तविक एसएमएस संदेशों में आमतौर पर प्रेषक सूचना फ़ील्ड में फ़ोन नंबर के बजाय प्रेषक आईडी (बैंक का संक्षिप्त नाम) होता है।
6. व्यक्तिगत जानकारी को गोपनीय रखें। खतरा उत्पन्न करने वाले लोग आपके सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं।
7. जालसाज जानकारी इकट्ठा करने के बाद वित्तीय धोखाधड़ी की गतिविधियाँ करते हैं। यह सुनिश्चित करें कि आपने मजबूत पासवर्ड बनाया है।
8. संपूर्ण निधि के जोखिम को कम करने के लिए कार्ड, यूपीआई खातों और अन्य वित्तीय लेनदेन के लिए लेनदेन सीमा निर्धारित करें।
9. आधिकारिक ऐप स्टोर (एंड्रॉइड के लिए प्लेस्टोर और आईओएस के लिए ऐपस्टोर) से ऐप डाउनलोड करें।
10. पीसी, लैपटॉप और मोबाइल जैसे एंडपॉइंट डिवाइसों पर प्रतिष्ठित एंटी-मैलवेयर और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग करना चाहिए।

धोखाधड़ी की सूचना तुरंत अपनी शाखा में दें या हमारे टोल फ्री नंबर 1800 103 1906 पर कॉल करें।

अपनी शाखा पर कॉल करने के लिए हमेशा अपनी पासबुक, खाता विवरण या बैंक की वेबसाइट https://bankofindia.co.in पर उपलब्ध नंबरों का उपयोग करें।

साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट भारत सरकार के पोर्टल **https://cybercrime.gov.in** पर भी करें या 1930 पर कॉल करें।

बैंक ऑफ़ इंडिया Bank of India BOI

सूचना सुरक्षा टीम